



# बोर्ड कृतिपत्रिका: मार्च 2025

## हिंदी लोकभारती

समय: 3 घंटे

कुल अंक: 80

सूचनाएँ:

- सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य, पूरक पठन तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
- सभी आकृतियों के लिए पेन/पेन्सिल का ही प्रयोग करें।
- रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
- शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

### विभाग 1 – गद्य : 20 अंक

1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [8]

आँख खुली तो मैंने अपने-आपको एक विस्तर पर पाया । इर्द-गिर्द कुछ पर्याचित-अपर्याचित चेहरे खड़े थे । आँख खुलते ही उनके चेहरे पर उत्सुकता की लहर ढौँड गई । मैंने कराने हुए पूछा - “मैं कहाँ हूँ ?”

“आप सार्वजनिक अस्पताल के प्राइवेट वार्ड में हैं । आपका ऐक्सिडेंट हो गया था । सिर्फ पैर का फ्रैक्चर हुआ है । अब घबराने की कोई बान नहीं ।” एक चेहरा इननी तेजी से जवाब देना है, लगता है मेरे होश आने तक वह दुर्सालिए रुका रहा । अब मैं अपनी टाँगों की ओर ढेखता हूँ । मेरी एक टाँग अपनी जगह पर सही-सलामत थी और दूसरी टाँग रेत की थैली के सहारे एक स्टैंड पर लटक रही थी । मेरे डिमाग में एक नये मुहावरे का जन्म हुआ । ‘टाँग का टूटना’ यानी सार्वजनिक अस्पताल में कुछ दिन रहना । सार्वजनिक अस्पताल का ख्याल आने ही मैं कौप उठा । अस्पताल वैसे ही एक खतरनाक शब्द होता है, फिर यदि उसके साथ सार्वजनिक शब्द चिपका हो तो समझो आत्मा से परमात्मा के मिलन होने का समय आ गया । अब मुझे यूँ लगा कि मेरी टाँग टूटना मात्र एक घटना है और सार्वजनिक अस्पताल में भरती होना दुर्घटना ।

- (1) उत्तर लिखिए :

(i)

गद्यांश में उल्लेखित शरीर के अंग

1

(ii)

सार्वजनिक अस्पताल में भरती होना इनके मिलन जैसा है

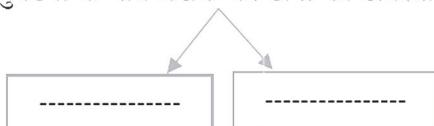
1

- (2) उत्तर लिखिए :

2

(i)

दुर्घटना के बाद लेखक की टाँगों की अवस्था



1



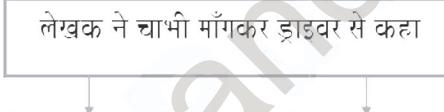
- (3) (i) गद्यांश में उल्लेखित अंग्रेजी शब्द लिखिए। 1  
 (1) .....  
 (2) .....
- (ii) निम्नलिखित शब्दों के लिए गद्यांश में उल्लेखित समानार्थी शब्द लिखिए: 1  
 (1) रुग्णालय – .....  
 (2) शक्ति – .....
- (4) सार्वजनिक रुग्णालयों की स्थिति के बारे में 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। 1

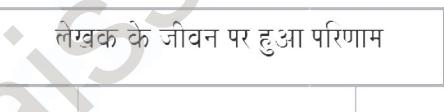
(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: [8]

हमने अपने जीवन में वावू जी के रहने के अभाव नहीं देखा। उनके न रहने के बाद जो कुछ मुझपर वीता, वह एक दूसरी नरह का अभाव था कि मुझे वैंक की नौकरी करनी पड़ी। लेकिन उससे पूर्व वावू जी के रहने में जब जन्मा था तब वे उन्नर प्रदेश में पुलिस मंत्री थे। उस समय गृहमंत्री को पुलिस मंत्री कहा जाता था। इसलिए मैं हमेशा कल्पना किया करना था कि हमारे पास ये छोटी गाड़ी नहीं, बड़ी आलीशान गाड़ी होनी चाहिए। वावू जी प्रधानमंत्री हुए तो वहाँ जो गाड़ी थी वह थी, इंपाला शेवरलेट। उसे डेख-डेख बड़ा जी करना कि मौका मिले और उसे चलाऊँ। प्रधानमंत्री का लड़का था। कोई मामूली बान नहीं थी। सोचने-विचारने, कल्पना की उड़ान भरने एक दिन मौका मिल गया। धीरे-धीरे हिम्मत भी खुल गई थी ऑर्डर देने की। हमने वावू जी के निजी सचिव से कहा— “सहाय साहब, जरा ड्राइवर से कहिए, इंपाला लेकर रेजडेंस की तरफ आ जाएँ।”

दो मिनट में गाड़ी आकर दरवाजे पर लग गई। अनिल भैया ने कहा— “मैं तो इसे चलाऊँगा नहीं। तुम्हीं चलाओ।” मैं आगे बढ़ा। ड्राइवर से चार्भी माँगी। बोला— “तुम बैठो, आराम करो, हम लोग वापस आते हैं अभी।”

(1) कृति पूर्ण कीजिए:

(i)   
 1

(ii)   
 1

(2) उत्तर लिखिए:

(i) लेखक यह कल्पना किया करते थे – .....

(ii) लेखक के जन्म के समय वावू जी उन्नर प्रदेश में – .....

(3) (i) गद्यांश में उल्लेखित विलोम शब्द की जोड़ी ढूँढ़कर लिखिए: 1

..... x .....

(ii) गद्यांश में उल्लेखित शब्दयुग्म ढूँढ़कर लिखिए: 1

(1) .....

(2) .....

(4) ‘साठ जीवन, उच्च विचार’ इस विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। 2





(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

[4]

परोपकार ही मानवता है, जैसा कि राष्ट्रकावि मैथिलीशरण गुप्त ने लिखा है – ‘वही मनुष्य है जो मनुष्य के लिए मरे।’ केवल अपने दुख-सुख की चिना करना मानवता नहीं, पशुना है। परोपकार ही मानव को पशुना से सदय बनाता है। वरनुनः निःखार्थ भावना से दूसरों का हित साधना ही परोपकार है। मनुष्य अपनी सामर्थ्य के अनुसार परोपकार कर सकता है। दूसरों के प्रति सहानुभूति करना ही परोपकार है और सहानुभूति किसी भी रूप में प्रकट की जा सकती है। किसी निर्धन की आर्थिक सहायता करना अथवा किसी असहाय की रक्षा करना परोपकार के रूप हैं। किसी पागल अथवा रोगी की सेवा-शुश्रूषा करना अथवा भूखे को अन्नदान करना भी परोपकार है। किसी को संकट से बचा लेना, किसी को कुमार्ग से हटा देना, किसी दुखी-निराश को सांत्वना देना— ये सब परोपकार के ही रूप हैं। कोई भी कार्य, जिससे किसी को लाभ पहुँचता है, परोपकार है, जो अपनी सामर्थ्य के अनुसार विभिन्न रूपों में किया जा सकता है।

(1) कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर तालिका पूर्ण कीजिए :

2

(सांत्वना, पशुना, सेवा-शुश्रूषा, मानवता, सामर्थ्य)

- |                                    |       |
|------------------------------------|-------|
| (1) परोपकार ही                     | ..... |
| (2) केवल अपने सुख-दुख की चिना करना | ..... |
| (3) पागल अथवा रोगी की              | ..... |
| (4) दुखी-निराश को                  | ..... |

(2) ‘मानवता ही सच्चा धर्म है’ विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए।

2

## विभाग 2 – पद्य : 12 अंक

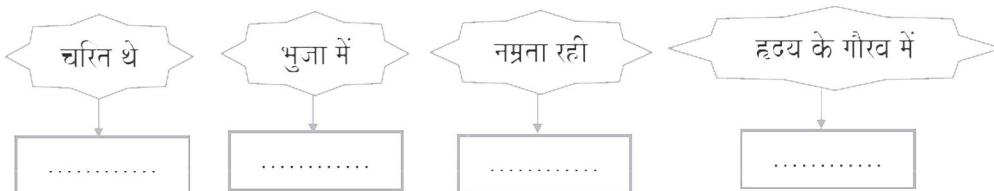
2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

[6]

विजय केवल लोहे की नहीं, धर्म की रही धरा पर धूम  
भिक्षु होकर रहने सप्राट, दया दिखलाने घर-घर धूम ।  
‘यवन’ को डिया दया का दान, चीन को मिली धर्म की दृष्टि  
मिला था स्वर्ण भूमि को रत्न, शील की सिंहल को भी सृष्टि ।  
  
किसी का हमने छोना नहीं, प्रकृति का रहा पालना यहीं  
हमारी जन्मभूमि थी यहीं, कहीं से हम आए थे नहीं । ..  
चर्चित थे पूत, भुजा में शक्ति, नम्रता रही सदा संपन्न  
हृदय के गौरव में था गर्व, किसी को देख न सके विपन्न ।

(1) कृति पूर्ण कीजिए :

2



(2) उत्तर लिखिए :

1

(i) पद्यांश से लय-ताल युक्त शब्द ढूँढ़कर लिखिए :

(1) .....

(2) .....



३



- (ii) निम्नलिखित प्रत्यययुक्त शब्दों के मूलशब्द पद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए : 1  
 (1) दयालु — .....  
 (2) प्राकृतिक — .....
- (3) उपर्युक्त पद्यांश की प्रथम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। 2

- (आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : [6]

घन घमंड नभ गरजन धोरा । प्रिया हीन डरपत मन मोरा ॥  
 दामिनी ठमक रहहि घन माहीं । खल कै प्रीति जथा धिर नाहीं ॥  
 वरपाहि जलट भूमि निअराएँ । जथा नवाहि वुध विद्या पाएँ ॥  
 वूँड अधान सहाहि गिर कैसे । खल के वचन संत सह जैसे ॥  
 शुद्र नदी भरि चली नोराई । जस थोरेहुँ धन खल इनराई ॥  
 भूमि परत भा ढावर पानी । जनू जीवाहि माय लपटानी ॥  
 सर्माट-सर्माट जल भरहि तलावा । जिसी सदगुन सज्जन पहिं आवा ॥  
 सरिता जल जलनिधि महुँ जाई । होई अचल रिमि जिव हरि पाई ॥

- (1) उत्तर लिखिए : 2

- (i) गरजने वाले — .....  
 (ii) चमकने वाली — .....  
 (iii) वूँड के आधान सहने वाले — .....  
 (iv) दुष्ट के वचन सहने वाले — .....

- (2) पद्यांश से ढूँढ़कर लिखिए :

- (i) निम्न अर्थ के शब्द : 1  
 (1) झुकना — (1) .....  
 (2) मटमैला — (2) .....
- (ii) उपसर्गयुक्त शब्द : 1  
 (1) .....  
 (2) .....

- (3) उपर्युक्त पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। 2

### विभाग 3 – पूरक पठन : 8 अंक

3. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : [4]

आज फिर उसे साक्षात्कार के लिए जाना है। अब तक देशप्रेम, नैतिकता, शिश्याचार, ईमानदारी पर अपने तर्कपूर्ण विचार बड़े विश्वास से रखना आया था लेकिन इसके बावजूद उसके हिस्से में सिर्फ असफलता ही आई थी।

साक्षात्कार के लिए उपस्थित प्रतिनिधि मंडल में से एक अधिकारी ने पूछा— “भ्राताचार के बारे में आपकी क्या राय है ?”



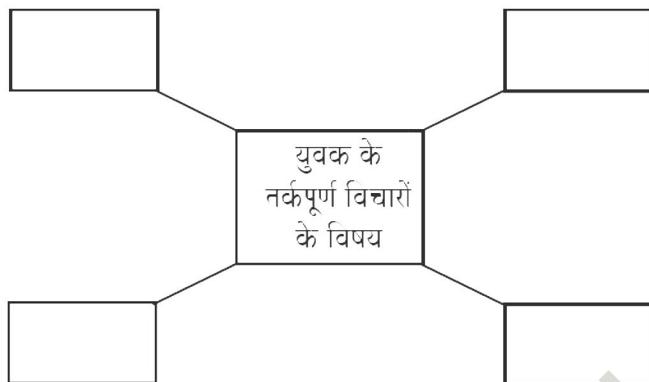


“भ्रष्टाचार एक ऐसा कीड़ा है जो देश को घुन की तरह खा रहा है। इसने सारी सामाजिक व्यवस्था को चिनाजनक स्थिति में पहुँचा डिया है। सच कहा जाए तो यह देश के लिए कलंक है.....।” अधिकारियों के चेहरे पर हल्की-सी मुस्कान और उत्सुकता छा गई। उसके नर्क में उन्हें रुचि महसूस होने लगी। दूसरे अधिकारी ने प्रश्न किया— “रिश्वत को आप क्या मानते हैं?”

“यह भ्रष्टाचार की वहन है जैसे विशेष अवसरों पर हम अपने प्रियजनों, पर्याचिनों, मित्रों को उपहार देने हैं।

(1) कृति पूर्ण कीजिए:

2



(2) ‘भ्रष्टाचार एक कलंक’ विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए।

2

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

[4]

जीवन नैया

मँझधार में डाले,

सँभाले कौन ?

रंग-बिरंगे

रंग-संग लेकर

आया फागुन।

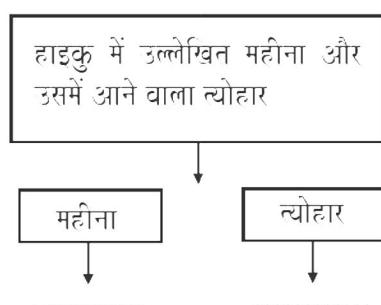
काँटों के बीच

खिलखिलाता फूल

देता प्रेरणा ।

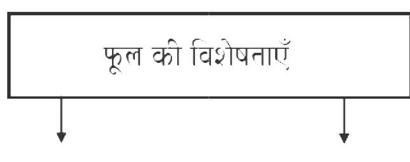
(1) आकृति पूर्ण कीजिए :

1



(ii)

1



(2) ‘कोशिश करने वालों की हार नहीं होती’ विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए।

2





## विभाग 4 – भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 14 अंक

4. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए : [14]

(1) अधोरखांकित शब्द का शब्दभेद पहचानकर लिखिए : 1  
वे हलुवा पूँडी और ताजी दूध मलाई खाते हैं।(2) निम्नलिखित अव्ययों में से किसी एक अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1  
(i) और  
(ii) के पास

(3) कृति पूर्ण कीजिए : 1

शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
दिग्गज	..... + .....	.....
	अथवा	
.....	सदा + एव	.....

(4) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य की सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए : 1  
(i) वे पुस्तक पकड़े न रख सके।  
(ii) अवश्य ही लोग खा-पीकर चले गए।

(5) निम्नलिखित में से किसी एक क्रिया का प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रूप लिखिए : 1

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रूप	द्वितीय प्रेरणार्थक रूप
(i) देखना	.....	.....
(ii) तोड़ना	.....	.....

(6) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1  
**मुहावरा** अर्थ  
(i) मुँह लाल होना - .....  
वाक्य - .....  
(ii) टाँग अड़ाना - .....  
वाक्य - .....  
**अथवा**

अधोरखांकित वाक्यांश के लिए कोष्ठक में दिए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए :

(निलमिला जाना, कॉप उठना)

पंडित बुद्धिराम काकी को देखते ही क्रोध में आ गए।(7) निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त कारकों में से कोई एक कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए : 1  
(i) चाची अपने कमरे से निकल गयी थी।  
(ii) कुछ समय के लिए विश्राम मिल जाता है।

कारक चिन्ह	कारक भेद
.....	.....





- (8) निम्नलिखित वाक्य में यथास्थान उचित विराम-चिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए: 1  
जल्दी जल्दी पैर बढ़ा।
- (9) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए: 2
- आराम हराम हुआ है।  
(अपूर्ण वर्तमानकाल)
  - वे बाजार से नई पुस्तक खरीदने हैं।  
(पूर्ण भूतकाल)
  - मैंने गिरफ्तारी से गरदन निकालकर झिल्की के स्वर में कहा।  
(सामान्य भविष्यकाल)
- (10) (i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए:  
वह बूढ़ी काकी पर झापटी और उन्हें हाथों से झटककर बोली। 1
- (ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य का अर्थ के आधार पर ढी गई सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए:  
(1) मैं आज रात का खाना नहीं खाऊँगा।  
(विधानार्थक वाक्य)  
(2) मानू इनना ही बोल सकी।  
(प्रश्नार्थक वाक्य)
- (11) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए: 2
- लक्ष्मी का एक झूँबेदार पूँछ था।
  - घर में नशे के रखे जाने का आवाज आता है।
  - सामने शेर डेंगकर यात्री का प्राण मानो मुरझा गया।

विभाग 5 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 26 अंक

5. सूचना:— आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है। [26]  
(अ) (1) पत्रलेखन:

रोहन/रोहिणी चौगुल, 42, विठ्ठल नगर, पंढरपूर से अपने छोटे भाई सोमेश चौगुले, म. फुले छात्रावास, अहमदनगर को मोबाइल के दुर्घटियों को समझाने हुए पत्र लिखना/लिखनी है।

**अथवा**

कल्पेश/कल्पना पाटेकर, 99, शिवालय चौक, इगतपुरी से अपनी गलत जन्मनिधि को सुधार करने हेतु प्रधानाचार्य, ख. ऐरोमल तलवाणी विद्यालय, नासिक को पत्र लिखना/लिखनी है।

- (2) निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर गद्यांश में एक-एक वाक्य में हों: 4

भारतीय वायुसेना की एक प्रशिक्षणार्थी डॉ. कु. गीता धोप ने उस दिन यह छलाँग लगाकर भारतीय महिलाओं की प्रगति के इनिहास में एक पन्ना और जोड़ दिया था। डॉ. धोप पहली भारतीय महिला हैं, जिन्होंने वायुयान से छतरी द्वारा उतरने का साहसिक अभियान किया था।

छतरी से उतरने का प्रशिक्षण पूरा करने के लिए हर छाताधारी को सात बार छतरी से उतरना पड़ता है। इनमें से पहली कूद तो रोमांचित होती ही है, वह कूद और भी रोमांचक होती है, जब उसे रात के अँधेरे में कहीं जंगल में अकेले उतरना होता है। डॉ. गीता न पहली कूद में घवराई, न अन्य कूदों में और इसी प्रकार सातों कूदें उन्होंने सफलतापूर्वक पूरी कर लीं। प्रशिक्षण के दौरान उनका यह कथन कि ‘मैं चाहती हूँ, जल्दी ये कूदें खत्म हों और मैं पूर्ण सफल छाताधारी बन जाऊँ’, उनकी उमंग





तथा उत्साह को प्रकट करता है। डॉ. गीता के अनुसार, उनकी डॉक्टरी शिक्षा भी इसी अभियान में काम आई। फिर लगन और नए क्षेत्र में प्रवेश का उत्साह हो तो कौन-सा काम कठिन रह जाता है। प्रशंसन से पूर्व तो उन्हें और भी कठिन परीक्षाओं के दौर से गुजरना पड़ा था।

**(आ) (1) वृत्तांत लेखन:**

5

सरखनी विद्यालय, कोल्हापुर में मनाए गए 'शिक्षक दिवस' समारोह का 70 से 80 शब्दों में वृत्तांत लेखन कीजिए।

(वृत्तांत में स्थल, काल, घटना का उल्लेख होना अनिवार्य है।)

अथवा

**कहानी लेखन:**

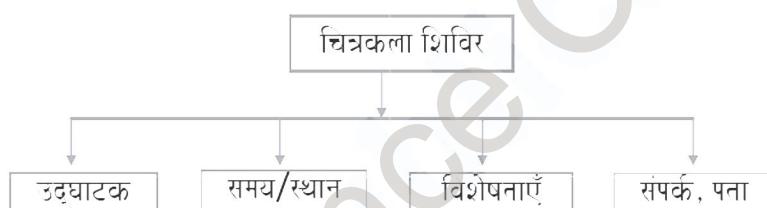
निम्नलिखित मुद्रणों के आधार पर 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक ठीकीजिए तथा सीख लिखिए।

किसान के घर में चोर — घबराना — पत्नी की युक्ति — जोर-जोर से कहना — रुपए-गहने घर के पिछवाड़े बंजर जमीन में छिपा दिए हैं — चोर का बंजर जमीन खोदना — कुछ न मिलना — किसान का खुश होना।

**(2) विज्ञापन लेखन:**

5

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर 50 से 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए।



**(इ) निवंध लेखन:**

7

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में निवंध लिखिए।

- (1) किसान की आनंदकथा
- (2) भारत का चंद्रयान मिशन-3
- (3) चाँदनी रात की सैर।

